68 की धरपकड़, 49 का सफाया

एक माह में आपरेशन धरपकड़ से कवच तक का किया सफर

बृजेंद्र पांडेय ● श्रावस्ती

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक के प्रयासों के साथ आपरेशन का नामकरण चर्चा में है। जिले में एक माह में उन्होंने आपरेशन धरपकड़ से आपरेशन कवच तक का सफर तय किया है। एक शब्द से उद्देश्य को समझाने का एसपी का प्रयास पुलिसकर्मियों को भी पसंद आ रहा है।

अपराधियों की जगह जेल है इस सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए एसपी ने सबसे पहले आपरेशन धरपकड़ शुरू किया। एक माह में 68 वारंटियों को पुलिस टीम ने दबोच लिया। थानों के अपराध रजिस्टर में दर्ज मृत लोगों का विवरण समाप्त करने के लिए आपरेशन सफाया चलाया। हिस्ट्रीशीटर के 49 आरोपितों का रिकार्ड नष्ट किया गया। नेपाल सीमा की सुरक्षा व तस्करी रोकने के लिए शुरू हुए आपरेशन कवच के तहत सीमा से सटे गांवों में पुलिस अपना नेटवर्क बढ़ा रही है। ग्राम समिति को मजबूती देने के साथ उन्हें सक्रिय किया जा रहा है।

आपरेशन कवच के तहत भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेतीं पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह (दाएं) ● जागरण

मृत अपराधी कराते थे पुलिस की किरकिरी : त्योहार व चुनाव के समय शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से शांतिभंग की आशंका में लोगों को निरुद्ध किया जाता है। इसमें अपराध रजिस्टर में दर्ज लोगों को चिन्हित किया किया जाता है। कभी कभार मृत हो चुके लोग भी इस दायरे में आ जाते थे। इससे पुलिस की किरकिरी होती है। एसपी ने मृतक अपराधियों का डाटा तैयार करवाकर पुलिस की छवि को साफ सुथरा बनाए रखने की पहल की है।

> अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस हर दिन काम करती है। अभियान को एक नाम मिल जाने से यह मानसिक तौर पर भी प्रभावशाली हो जाता है। पुलिस टीम को परिणाम की रिपोर्टिंग करने में भी आसानी होती है।
>
> - **प्राची सिंह, पुलिस अधीक्षक, श्रावस्ती**